

Teachers and students must have devotion towards each other: Rangaraju

Swadesh | Feb 19, 2017

Shivpuri- Teachers play a vital role in shaping young minds and the future of the students. Whether a student performs well or worse in future, or becomes a genius or a failure is primarily dependent on the student-teacher relationship. Therefore, they should complement each other. With the traits of commitment, service and dedication, a teacher can not only continue to gain respect from his/ her students, but also become their role model and source of inspiration and motivation.

Caning is not a way out to educate and discipline the students. This will not only result in a teacher being penalized for striking out at the children and using corporal punishment or any other way to harass them, but will also get him/her the 'honor' of being rewarded with the tag of a harasser by his very own students. Thus, it is very important for teachers to know how to teach children, instead of using the tool of punishment to make them learn. It is essential that a teacher assesses the performance of his/her students during classes and treats them equally. Only then can the important role of a teacher be understood and fulfilled.

This model of synergy between the teachers and students was facilitated by Mr Baladevan Rangaraju during the 2 days' "i-torney legal literacy workshop for teachers and students," at the Bal Shiksha Niketan School, Shivpuri. Rangaraju provided knowledge and expertise to teachers on the practice of rules, discipline and laws. In a concise and easy-to-understand manner, the facilitator explained the importance of the RTE and POCSO Acts to the teachers and underlined the indispensable knowledge of the RTE and POCSO Acts for the teachers and students respectively. He emphasized that, "it is also imperative that our education system is in line with these laws and policies." It is in this context that the legal literacy workshop was organized for the students and teachers. Besides this, the understanding of the laws was also simplified for the teachers through the Niti Express stories, an India Institute initiative aired on Radio Mantra 91.9 FM.

The workshop began with the candle lighting ceremony to invoke the blessings of Goddess Saraswati, the Goddess of learning, wisdom and knowledge. Smt Urmi Dewan, Sh Padmesh Thapriyal, Principal- Happy Days School, Sh Mahipal Arora, Manager- Guru Nanak School were a few among the others present during the workshop.

The workshop witnessed the participation of teachers from more than half a dozen schools in the city who were curious and excited to know about their legal rights. Also, the student- teacher relationship was well understood through various activities conducted during the workshop. The workshop concluded with the thank you address delivered by Smt Bindu Chhibber, Director at the Bal Shiksha Niketan School, Shivpuri.

The legal awareness workshop will be conducted for students today

The second day of the "i-torney legal literacy workshop," conducted by the India Institute, was held for students on Saturday, February 18, 2017 between 9:30 am to 12:00 pm at the Bal Shiksha Niketan School. Students from different schools of the city had been invited to take part in the workshop, in order to increase their awareness on legal rights.

शिक्षक व छात्र समर्पण का भाव रखें : रंगराजू

शिवपुरी, ब्यूरो

शिक्षक-छात्र संवाद पर विधि जागरूकता शिविर का आयोजन

एक शिक्षक जिसे भविष्य निर्माता कहा जाता है एक छात्र जो आने वाले भविष्य का सर्वे सर्वा होता है अब छात्र का भविष्य संवारना है या बिगाड़ना है, उसे जीनियस बनाना है या जीरो बनाना है यह प्रमुख रूप से शिक्षक और छात्र पर निर्भर करता है इसलिए यह एक-दूसरे के पूरक है शिक्षक में त्याग, सेवा और समर्पण का भाव हो तो वह अपने स मान को भी बरकरार रखेगा और इससे उसके शिक्षित छात्र-छात्राओं का मनोबल भी बढ़ेगा। जरूरी नहीं कि शिक्षा का अध्ययन कराने के लिए डंडी अथवा छड़ी उठाकर छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट की जाए और फिर उन्हें पाठ याद कराया जाए, ऐसा करने से शिक्षक कानूनी जद में आ सकते हैं और वह मारपीट करने वाले

छात्र के द्वारा की शिकायत पर एक शोषित करनेवाले शिक्षक की परिभाषा से भी नवाजे जाएंगे।

शिक्षक और छात्र-छात्राओं के बीच इस सामंजस्य का पाठ पढ़ा रहे थे नई दिल्ली इंडिया इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर बाल देवन रंगराजू जो स्थानीय बाल शिक्षा निकेतन में आयोजित दो दिवसीय विधि जागरूकता शिविर के द्वारा लीगल लिटेसी के तहत आई टर्नर फॉर टीचर एण्ड स्टूडेंट कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को उनके नियम, अनुशासन व अधिकारों पर अपना ओजस्वी वक्तव्य दे रहे थे। कार्यक्रम में डायरेक्टर इंडिया इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर बाल देवन ने बड़े सरल सहज तरीके से शिक्षा का अधिकार और पास्को एक्ट के बारे में भी महती जानकारी प्रदाय की और कहा

कि इन कानूनों के तहत अब यह अनिवार्य हो गया है कि शिक्षकों के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम और स्कूली बच्चापें के लिए पास्को एक्ट की जानकारी सभी को हो और हमारी शिक्षा प्रणाली उसी हिसाब के अनुरूप चलें।

इन दोनों संदर्भों के संबंध में बच्चों एवं शिक्षकों के लिए विधि जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। इसके अलावा रेडिया मंत्रा 91.9 पर चलने वाली नीति एक्सप्रेस कहानियों के माध्यम के द्वारा भी इन कानूनों की सरलता से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुई। इसमें मुख्य रूप से श्रीमती उर्मी दीवान, हैप्पीडेज स्कूल प्राचार्य पद्मेश थापरियल,

गुरुनानक स्कूल प्रबंधक महिपाल अरोरा सहित अन्य स्कूलों के प्राचार्य व संचालक मंचासीन थे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय की संचालिका श्रीमती बिन्दु छिब्बर द्वारा व्यक्त किया।

आज छात्र-छात्राओं के लिए रहेगा शिविर

इंडिया इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित दो दिवसीय विधि जागरूकता शिविर का दूसरा दिन स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए रहेगा जिसमें कार्यक्रम स्थल बाल शिक्षा निकेतन विद्यालय में शनिवार को प्रातः 9:30 से 12 बजे तक शहर के कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। यहां बच्चे भी विधि के बारे में जानकारी लेकर जागरूक होंगे।